Latest Arrival

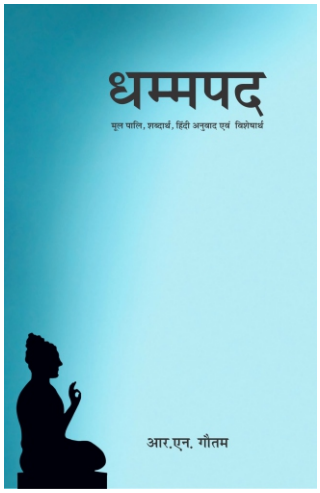

धम्मपद

मूल पालि, शब्दार्थ, हिंदी अनुवाद एवं विशेषार्थ

आर.एन. गौतम

2022, x+274pp., 22 cm. गाथा सूची

ISBN 978-81-88643-92-9 Rs. 360 (PB)

'धम्मपद' ग्रंथ को पाठकों के समक्ष लाने का मेरा अभिप्राय इस ग्रंथ की शिक्षा से पाठकों को लाभान्वित कराना है–

यथागारं सुच्छन्नं, वुट्ठि न समतिविज्झति।
एवं सुभावितं चित्तं, रागो न समतिविज्झति।।

जैसे ठीक से छाए घर में वर्षा जल नहीं घुसता, ठीक वैसे ही ध्यान भावना से चित्त में विकार नहीं घुसता। इसी प्रकार देश की सुव्यवस्था से नैतिकता और राष्ट्रीयता का उत्थान होता है जैसे गाथा में ध्यान भावना का उदाहरण देकर कहा है वैसे ही सुव्यवस्थित देश में शत्रु रूपी विकार नहीं घुस सकता। 'जहाँ है चित्त की शुद्धि वहीं है बुद्धि'– इस ग्रंथ का यही सार है।

आर.एन. गौतम, जन्म–1949, निवास–दिल्ली

क्लास–I, भारत सरकार (से.नि.)

दिल्ली विश्वविद्यालय से बुद्ध शिक्षा पर शोध, पालि, तिब्बतन व हिंदी साहित्य पर अध्ययन।

एम.फिल.(बो.अ.), एम.ए.(पालि), एम.ए.(हिंदी), पालि एवं तिब्बतन– डिप्लोमा, पी.जी.डी.(अनु.), वर्ष 1989 से प्र.वि. आचार्य एस.एन. गोयनका के सहायक के रूप में सन् 2000 से विपश्यना शिविर संचालन में सेवारत।

लेखन कार्य – दिल्ली विश्वविद्यालय (बो.अ.) के जनरल में, बरेली, जयपुर और न्यूपा विश्वविद्यालय में कई लेख, इसके अतिरिक्त धम्म दर्पण, धर्मचक्र प्रवर्तन पत्रिका में कई कविता एवं लेख।

पुस्तक– शोध कार्य – त्रिशरण महत्व: एक अध्ययन, दि.वि.वि. (बौ.अ.), संपादित कार्य – थेर गाथा।

अप्रकाशित पुस्तकें – बुद्ध की शिक्षा और विश्वविद्यालय, बुद्ध की शिक्षा कहाँ तक, प्रतीत्यसमुत्पाद। इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद प्रक्रिया में है।

अक्षय प्रकाशन
208, एम.जी. हाऊस, 2 कम्यूनिटी सेंटर
वज़ीरपुर इन्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली–110052
फोन : 011–46994699, 9818452269
ई–मेल : harish@akshayaprakashan.com
वेबसाईट : www.akshayaprakashan.com